प्रियंका ने 'द ब्लफ' निर्देशक का इंस्टाग्राम पर किया स्वागत

हॉलीवुड में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा चुकीं प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर चर्चा में हैं. उनकी आगामी एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है. इसी बीच प्रियंका ने फिल्म के निर्देशक फ्रैंक ई. फ्लावर्स को सोशल मीडिया पर खास अंदाज में वेलकम किया है.

प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फ्रैंक के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा - 'फिल्म 'द ब्लफ' के निर्देशक फ्रैंक, आपका इंस्टाग्राम पर स्वागत है. इस तस्वीर में प्रियंका फ्लाइंग किस देती नजर आ रही हैं, जबकि फ्रैंक उनके साथ सेल्फी लेते दिखाई दे रहे हैं. माना जा रहा है कि यह तस्वीर फिल्म की शूटिंग के दौरान ली गई है. प्रियंका का यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे दोनों के बीच की शानदार बॉन्डिंग के तौर पर देख रहे हैं. 'द ब्लफ' 19वीं सदी के कैरिबियाई परिवेश पर आधारित एक हाई-वोल्टेज एक्शन फिल्म है, जिसमें प्रियंका एर्सेल 'ब्लडी मैरी' बॉडेन नाम की एक पूर्व समुद्री डाकू की भूमिका निभा रही हैं.

यह किरदार अब तक प्रियंका के सबसे अलग और चुनौतीपूर्ण रोल्स में से एक माना जा रहा है. फिल्म में उनके साथ कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और टेमुएरा मॉरिसन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे भी नजर आएंगे. फ्रैंक ई. फ्लावर्स के निर्देशन में बन रही यह फिल्म अपने दमदार एक्शन, ऐतिहासिक बैकड्रॉप और सशक्त महिला किरदार के चलते पहले ही चर्चा में है.

विल स्मिथ ने शाहरुख से कहा- मुझे आपकी फिल्म में लें

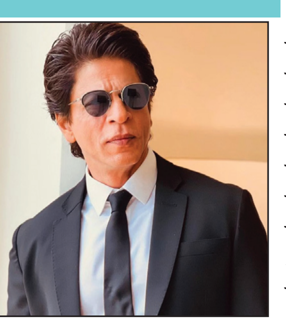

ऑस्कर विजेता हॉलीवुड अभिनेता विल स्मिथ ने बॉलीवुड में काम करने की इच्छा जाहिर की है और खुलकर कहा कि वह चाहते हैं कि शाहरुख खान उन्हें किसी फिल्म में लें. यह खुलासा उन्होंने हाल ही में दुबई में अपने शो 'पोल टू पोल विद विल स्मिथ' के मिडिल ईस्ट प्रीमियर के दौरान मीडिया से बातचीत में किया. विल ने बातचीत में बताया कि पिछले कुछ सालों में उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बड़े सितारों से संपर्क किया है. उन्होंने कहा कि वे सलमान खान और अमिताभ बच्चन के साथ कुछ प्रोजेक्ट्स पर चर्चा कर चुके हैं, लेकिन किसी भी बातचीत का कोई ठोस नतीजा नहीं निकला. उन्होंने बताया, 'मैं सलमान से बात कर रहा था और हम कुछ आइडियाज पर चर्चा कर रहे थे. अमिताभ बच्चन ने मुझसे कहा कि मैं बिग डब्ल्यू बन सकता हूं. कुछ बातें हुईं, लेकिन कुछ भी सफल नहीं हुआ. 'इसके बाद विल ने सीधे शाहरुख खान को टारगेट किया और कहा, 'मैं चाहता हूं कि शाहरुख मुझे किसी फिल्म में लें.

पुलकित सम्राट ने नॉर्थ इंडिया के खास लगाव को किया जाहिर

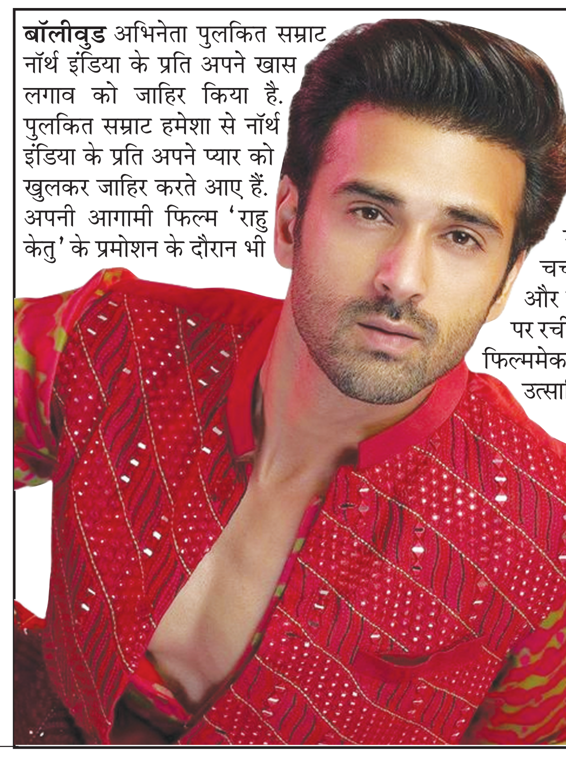

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट नॉर्थ इंडिया के प्रति अपने खास लगाव को जाहिर किया है. पुलकित सम्राट हमेशा से नॉर्थ इंडिया के प्रति अपने प्यार को खुलकर जाहिर करते आए हैं. अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' के प्रमोशन के दौरान भी उन्होंने इस बात पर खुलकर चर्चा की कि दिल्ली, शिमला और नॉर्थ इंडिया के बड़े कैनवस पर रची गई कहानियां क्यों आज भी फिल्ममेकर्स और दर्शकों को उतना ही उत्साहित करती हैं.

पुलकित नेअपनी सुपरहिट फिल्म 'फुकरे' का जिक्र करते हुए बताया कि किसी भी फिल्म की पहचान गढ़ने में उसके बैकड्रॉप और लोकेशन की अहम भूमिका होती है. उन्होंने कहा, 'फुकरे भी दिल्ली में ही प्लॉट है और राहु केतु का भी शिमला-दिल्ली साइड का ही बैकड्रॉप है.' उनके मुताबिक, रीजनल ऑथेंटिसिटी ही कहानी में एक अलग तरह की जान डालती है.पुलकित ने नॉर्थ इंडिया के प्रति अपने खास लगाव को जाहिर करते हुए कहा कि इस इलाके का फ्लेवर कहीं और देखने को नहीं मिलता. यहां के लोग, यहां की जगहें और यहां की जिंदगी बेहद सच्ची और जीती-जागती महसूस होती है. उन्होंने यह भी बताया कि दर्शकों ने समय के साथ ऐसी कहानियों को खूब अपनाया है, खासकर तब से जब दिबाकर बनर्जी और अमृत शर्मा जैसे फिल्ममेकर नॉर्थ इंडिया और दिल्ली की सांस्कृतिक बारीकियों को बड़े परदे पर लेकर आए हैं. पुलकित के अनुसार, ये निर्देशक इस इलाके को 'रग-रग से' जानते हैं, इसलिए उनकी कहानियां बेहद ऑर्गैनिक और रिलेटेबल लगती हैं.

फिल्म 'पारो' ऑस्कर की एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल

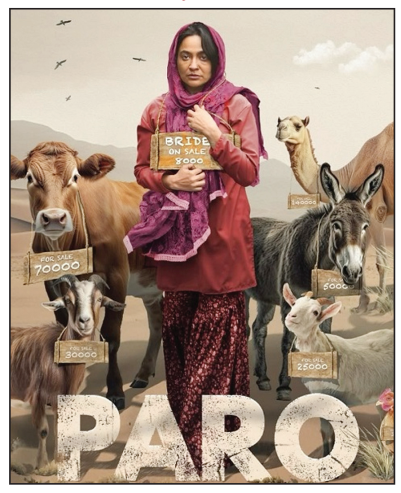

ताहा शाह बदुशा अभिनीत फिल्म 'पारो-द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ब्राइड स्लेवरी' 98वें अकादमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर) 2026 के लिए एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज़ द्वारा जारी आधिकारिक ऑस्कर एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल की गई है. इसके साथ ही 'पारो' उन चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय फिल्मों की सूची में आ गई है, जिन्होंने अकादमी के तय मानकों और योग्यता शर्तों को पूरा किया है.

फिल्म का निर्माण फिल्ममेकर और सामाजिक कार्यकर्ता तृप्ति भोईर ने किया है, जबकि निर्देशन की कमान संभाली है प्रख्यात निर्देशक गजेंद्र अहिरे ने.

'पारो' एक संवेदनशील और सामाजिक विषय पर आधारित फिल्म है, जो दुल्हन तस्करी यानी ब्राइड ट्रैफिकिंग जैसे गंभीर और अनदेखे मुद्दे को सामने लाता है. फिल्म में ताहा शाह बदुशा के साथ तृप्ति भोईर और गोविंद नामदेव भी अहम भूमिकाओं में हैं. अपनी विषयवस्तु और प्रभावशाली कहानी के चलते फिल्म अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों और सर्किट्स में पहले ही सराहना बटोर चुकी है.

ऑस्कर एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल होना फिल्म की कलात्मक गुणवत्ता, सामाजिक प्रासंगिकता और अकादमी के सबमिशन व स्क्रीनिंग नियमों के अनुरूप होने को दर्शाता है. हालांकि यह सीधे नामांकन की गारंटी नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड्स की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

ताहा शाह बदुशा ने इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'मुझे बेहद गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि 'पारो' को ऑस्कर एलिजिबिलिटी लिस्ट में जगह मिली है. यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि उन आवाज़ों का प्रतिनिधित्व है, जिन्हें अक्सर अनसुना कर दिया जाता है. यह एक ऐसी कहानी है, जिसे सरहदों से परे देखा और सुना जाना चाहिए. मैं पूरी टीम और उन सभी लोगों का आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर पर भरोसा किया.

मौनी रॉय ने सीरीज़ हिसाब की शूटिंग पूरी की

बॉलीवुड अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया और मौनी रॉय ने अमेज़न एमएक्स प्लेयर की आने वाली थ्रिलर सीरीज़ हिसाब की शूटिंग पूरी कर ली है.

यह दोनों अभिनेत्रियों की पहली साथ की गई परियोजना है. शूटिंग खत्म होने के बाद सामने आई सेट की कुछ खास झलकियों में दोनों के बीच बनी गहरी दोस्ती और सिस्टरहुड साफ नज़र आती है.इन तस्वीरों में निर्मित और मौनी को शूट के बीच हंसते-मुस्कुराते, बातचीत करते और एक-दूसरे के साथ सहज पल बिताते देखा जा सकता है. जो रिश्ता काम से शुरू हुआ था, वह जल्द ही सच्ची दोस्ती में बदल गया, जिसे देखकर उनके फैंस भी काफी खुश हैं.

शो से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'निर्मित और मौनी की बॉन्डिंग सिर्फ कैमरे के बाहर ही नहीं, बल्कि पर्दे पर भी दिखाई दी. दोनों की आपसी सहजता ने कहानी और उनके अभिनय को और मज़बूत बनाया. हिसाब एक दमदार मर्डर मिस्ट्री है, जिसकी शूटिंग दो बड़े शेड्यूल में पूरी की गई है. अब शो पोस्ट-प्रोडक्शन में जा चुका है.'

इस सीरीज़ में शहीर शेख, संजय कपूर, अविनाश मिश्रा और हरमन सिंघा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे.

सोनी सब के कलाकारों ने साझा की मकर संक्रांति की यादें

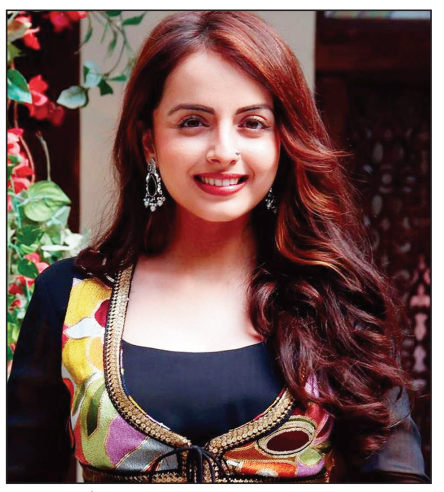

सोनी सब के कलाकारों ने अपने प्रशंसकों के साथ मकर संक्रांति की यादें साझा की है.

'गाथा शिव परिवार की: गणेश कार्तिकेय' में देवी पार्वती की भूमिका निभा रहीं श्रेनु पारिख ने कहा, 'मकर संक्रांति बचपन से ही मेरा पसंदीदा त्योहार रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि इसका मतलब है वडोदरा में उत्तरायण. 14 और 15 तारीख को सुबह से शाम तक पतंग उड़ाना, सर्दियों की धूप का मज़ा लेना, और ताजी गाजर, बेर, चिक्की, उंधियू और आंवला जैसी मौसमी चीज़ों का आनंद लेना होता था. मुझे पतंग उड़ाना बहुत पसंद है और आज भी, दुनिया भर से मेरे दोस्त इस समय भारत आते हैं सिर्फ़ इस त्योहार का माहौल महसूस करने के लिए. एक महाराष्ट्रीयन परिवार में शादी करने के बाद मुझे इस त्योहार का एक खूबसूरत नया रंग देखने को मिला. पिछला साल और भी खास था क्योंकि यह मेरी पहली संक्रांति थी, और मेरे ससुराल वालों ने घर पर एक प्यारा सा सेलिब्रेशन किया जहाँ महिलाओं ने काले कपड़े पहने, हलवे के गहने पहने, और हल्दी-कुमकुम का आदान-प्रदान किया. 'तिल-गुड़ घ्या आणि गोड गोड बोला' कहकर एक-दूसरे के लिए शुभकामनाएँ दीं. आज भी, ज़िंदगी कितनी भी व्यस्त क्यों न हो जाए, मैं उस परंपरा को ज़िंदा रखने और सेलिब्रेशन को जीवंत बनाने की कोशिश करती हूँ.' इत्ती सी खुशी में एसीपी संजय भोसले का रोल निभाने वाले ऋषि सक्सेना ने कहा, 'मकर संक्रांति हमेशा से मेरे लिए पॉजिटिविटी और नई शुरुआत का त्योहार रहा है.

धुरंधर ने छठे सोमवार कमाए 1.28 करोड़

प्रभास स्टारर 'द राजा साब' के रिलीज़ होने के बावजूद आदित्य धर की 'धुरंधर' ने अपने प्रदर्शन की शानदार रफ्तार जारी रखी है. फिल्म ने हिंदी बेल्ट में प्रभास की नई फिल्म को भी पीछे छोड़ते हुए बॉक्स ऑफिस पर मजबूती दिखाई. पांचवें हफ्ते में 'धुरंधर' ने 51.25 करोड़ रुपये की कमाई की थी और छठे हफ्ते में प्रवेश किया. शुक्रवार को नई रिलीज़ के असर से फिल्म ने 3.5 करोड़ रुपये कमाए, लेकिन शनिवार और रविवार को क्रमशः 5.75 करोड़ और 6.15 करोड़ रुपये की शानदार कमाई दर्ज की. छठे सोमवार को भी फिल्म ने अपनी पकड़ बनाए रखी और दोपहर तक 1.28 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. इस तरह कुल कमाई अभी भी लगातार बढ़ रही है.

वरुण धवन ने 'बॉर्डर-2' के लिए लिया आशीर्वाद

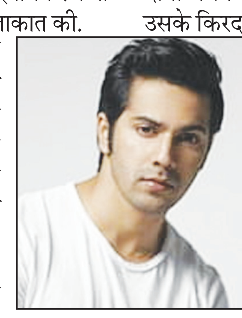

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन अपनी आगामी फिल्म 'बॉर्डर-2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं और हाल ही में उन्होंने इस फिल्म से जुड़ी एक खास मुलाकात की.

फिल्म में वरुण, हरियाणा के सोनीपत के दिवंगत कर्नल होशियार सिंह दहिया की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अद्वितीय पराक्रम दिखाया और इसके लिए उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था. फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान वरुण धवन ने कर्नल होशियार सिंह की पत्नी धन्नो देवी से मुलाकात की. इस मुलाकात के दौरान वरुण ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया और दोनों ने फिल्म की कहानी और उसके किरदारों पर चर्चा की. इस इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें धन्नो देवी मुस्कुराते हुए वरुण की तारीफ करती नजर आ रही हैं.

उन्होंने कहा, 'तुमने बहुत बढ़िया किया है. बहुत बढ़िया, शाबाश! फिल्म बहुत अच्छी चलेगी.' वरुण ने हाथ जोड़कर झुकते हुए उनका धन्यवाद किया.

कृषि जगत

अंजीरः सेहत का मीठा खजाना

अंजीर एक ऐसा सूखा और ताजा फल है, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है. प्राचीन काल से आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा पद्धति में अंजीर का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता रहा है. इसमें फाइबर, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को कई बीमारियों से दूर रखने में मदद करते हैं. रोजमर्रा के खान-पान में अंजीर को शामिल कर स्वस्थ जीवन की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाया जा सकता है.

पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में अंजीर का खास योगदान है. इसमें मौजूद उच्च मात्रा का फाइबर कब्ज की समस्या से राहत दिलाने में सहायक होता है. रात में अंजीर को पानी में भिगोकर सुबह सेवन करने से पेट साफ रहता है और गैस, एसिडिटी जैसी समस्याओं में आराम मिलता है. जिन लोगों को बार-बार अपच की शिकायत रहती है, उनके लिए अंजीर एक प्राकृतिक औषधि की तरह काम करता है.

हड्डियों को मजबूत रखने में भी अंजीर बेहद उपयोगी है. इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस अच्छी मात्रा में होते हैं, जो हड्डियों और दांतों को मजबूती प्रदान करते हैं. बढ़ती उम्र में होने वाली ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाव के लिए अंजीर का नियमित सेवन लाभकारी माना जाता है. बच्चों और बुजुर्गों दोनों के लिए यह फल हड्डियों के स्वास्थ्य के लिहाज से फायदेमंद है.

उड़द दाल की खेती : कम लागत, अच्छा मुनाफा

उड़द दाल (ब्लैक ग्राम) भारतीय किसानों की प्रमुख दलहनी फसलों में से एक है. यह फसल कम समय में तैयार हो जाती है और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में भी मदद करती है. खास बात यह है कि उड़द की खेती कम लागत में शुरू की जा सकती है और बाजार में इसकी मांग हमेशा बनी रहती है, जिससे किसानों को अच्छा मुनाफा मिलता है.

उड़द की खेती शुरू करने के लिए सबसे पहले सही भूमि का चयन जरूरी है. इसके लिए दोमट या हल्की काली मिट्टी सबसे उपयुक्त मानी जाती है, जिसमें जल निकास की अच्छी व्यवस्था हो. खरीफ मौसम में जून-जुलाई और रबी में फरवरी-मार्च इसका उपयुक्त समय होता है. बुवाई से पहले खेत की अच्छी जुताई कर लेनी चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए. प्रमाणित बीज का उपयोग करने से उत्पादन बेहतर होता है. प्रति हेक्टेयर लगभग 15-20 किलो बीज पर्याप्त होता है.

खेती की लागत की बात करें तो उड़द दाल में खर्च अपेक्षाकृत कम आता है. बीज, खाद, जुताई, सिंचाई और मजदूरी मिलाकर प्रति हेक्टेयर लगभग 15 से 20 हजार रुपये तक की लागत आती है. चूंकि यह फसल नाइट्रोजन स्थिरीकरण करती है, इसलिए इसमें अधिक रासायनिक खाद की जरूरत नहीं पड़ती. सामान्य तौर पर 1-2 सिंचाई ही काफी होती है, जिससे पानी का खर्च भी कम रहता है.

फसल की देखभाल में समय-समय पर निराई-गुड़ाई और कीट नियंत्रण जरूरी है. उड़द में पीला मोजेक रोग और फली छेदक कीट का खतरा रहता है, इसलिए किसान को सतर्क रहना चाहिए. जैविक या संतुलित कीटनाशकों का उपयोग कर फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है. करीब 70-90 दिनों में फसल पककर तैयार हो जाती है.अब अगर मुनाफे की बात करें तो उड़द दाल किसानों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकती है.

> कुल मिलाकर उड़द दाल की खेती उन किसानों के लिए एक अच्छा विकल्प है, जो कम जोखिम में बेहतर आमदनी चाहते हैं. सही तकनीक, समय पर बुवाई और उचित देखभाल से यह फसल किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकती है.

सही देखभाल से सफल होगा सूअर पालन

सूअर पालन तभी सफल हो सकता है, जब उसे वैज्ञानिक तरीके से और पूरी समझदारी के साथ किया जाए. केवल सूअर खरीद लेना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उनकी रोज़ाना देखभाल, साफ-सफाई, सही आहार और स्वास्थ्य प्रबंधन पर लगातार ध्यान देना जरूरी है. सही देखभाल से सूअर जल्दी स्वस्थ होते हैं, तेजी से वजन बढ़ाते हैं और पशुपालक को अच्छा लाभ मिलता है.

अच्छा सूअर पालन शुरू करने के लिए सबसे पहले उनके रहने की व्यवस्था सही होनी चाहिए. सूअर शेड ऐसी जगह बनाया जाए, जहां पानी न भरे और हवा का अच्छा प्रवाह हो. शेड पक्का, सूखा और धूपदार होना चाहिए. गर्मी में ठंडक और सर्दी में बचाव की व्यवस्था जरूरी है. फर्श को रोज़ साफ करना चाहिए ताकि गंदगी और बदबू न फैले, क्योंकि गंदा वातावरण बीमारियों का सबसे बड़ा कारण बनता है.

सूअरों की सही देखभाल में संतुलित आहार की अहम भूमिका होती है. उन्हें रोज़ समय पर भोजन देना चाहिए. आहार में मक्का, जौ, चावल की भूसी, सब्जियों के अवशेष, तेल खली और खनिज मिश्रण शामिल करना चाहिए. छोटे बच्चों और गर्भवती मादा को अधिक पोषक आहार देना जरूरी होता है. साथ ही, साफ और ताजा पानी हर समय उपलब्ध रहना चाहिए, क्योंकि पानी की कमी से सूअर कमजोर हो जाते हैं. स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना बहुत जरूरी है. सूअरों को समय-समय पर टीकाकरण कराना चाहिए और किसी भी बीमारी के लक्षण दिखते ही पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए.

> प्रजनन और बच्चों की देखभाल भी अच्छे सूअर पालन का महत्वपूर्ण हिस्सा है. गर्भावस्था के समय मादा सूअर को साफ जगह और अतिरिक्त पोषण देना चाहिए. बच्चों को जन्म के बाद ठंड, नमी और गंदगी से बचाना चाहिए. शुरुआती दिनों में मां का दूध बहुत जरूरी होता है, इससे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है.

सफेद सोने की चमक : कपास की खेती में छुपा मुनाफा

भारत में कपास को 'सफेद सोना' कहा जाता है. यह नकदी फसल किसानों की आमदनी बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है. कपास की खेती मुख्य रूप से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और तेलंगाना जैसे राज्यों में की जाती है. सही जानकारी, उन्नत बीज और वैज्ञानिक तरीके अपनाकर किसान कपास की खेती से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं.

कपास की खेती शुरू करने से पहले भूमि का चयन बहुत जरूरी है. इसके लिए मध्यम से भारी काली मिट्टी सबसे उपयुक्त मानी जाती है, जिसमें जल निकास अच्छा हो. खेत की गहरी जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा बनाया जाता है. बुवाई से पहले मिट्टी की जांच कराना लाभदायक होता है, ताकि उर्वरकों का सही उपयोग किया जा सके. कपास की बुवाई आमतौर पर जून से जुलाई के बीच की जाती है. किसान बीटी कपास या उन्नत किस्मों के बीज का चयन कर सकते हैं, जो कीट प्रतिरोधक और अधिक उत्पादन देने वाले होते हैं.

बीज बोने के बाद फसल की नियमित देखभाल जरूरी होती है. समय-समय पर निराई-गुड़ाई, सिंचाई और खाद का संतुलित प्रयोग करना चाहिए. कपास की फसल में गुलाबी सुंडी, सफेद मक्खी और माहू जैसे कीटों का खतरा रहता है, इसलिए कीट प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है. जैविक और रासायनिक कीटनाशकों का सही मात्रा में उपयोग कर फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है.

> बाजार में कपास का भाव 6,000 से 7,000 रुपये प्रति क्विंटल तक मिलने पर किसान को 90 हजार से 1.4 लाख रुपये तक की आमदनी हो सकती है.इस तरह खर्च निकालने के बाद किसान को एक हेक्टेयर से 50 से 80 हजार रुपये तक का शुद्ध मुनाफा हो सकता है. यदि किसान सरकारी योजनाओं, फसल बीमा और आधुनिक तकनीकों का लाभ उठाएं तो जोखिम कम होता है और लाभ बढ़ता है. कुल मिलाकर कपास की खेती सही मार्गदर्शन और मेहनत के साथ किसानों के लिए एक लाभकारी विकल्प साबित हो सकती है.